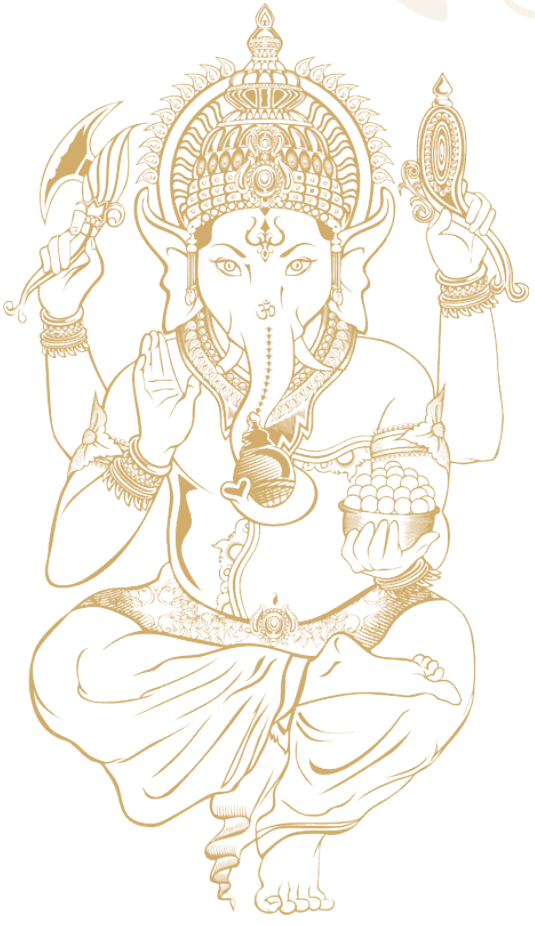

Mr.Yogesh

Priyanka

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119535002

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
16/07/1989	जन्म तिथि	03/06/1998
रविवार	दिन	बुधवार
घंटे 21:40:00	जन्म समय	16:30:00 घंटे
घटी 40:28:53	जन्म समय(घटी)	27:59:55 घटी
India	देश	India
Simla	स्थान	Simla
31:06:00 उत्तर	अक्षांश	31:06:00 उत्तर
77:10:00 पूर्व	रेखांश	77:10:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:20	स्थानिक संस्कार	-00:21:20 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:28:26	सूर्योदय	05:18:02
19:25:55	सूर्यास्त	19:21:03
23:42:49	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:58

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
केतु 4वर्ष 6मा 5दि	13:14:55	कुंभ	लग्न	तुला	13:43:07	सूर्य 2वर्ष 8मा 3दि
चन्द्र	00:22:45	कर्क	सूर्य	वृष	18:50:41	राहु
21/01/2020	04:43:54	धनु	चंद्र	कन्या	04:03:16	05/02/2018
21/01/2030	25:02:57	कर्क	मंगल	वृष	13:27:37	05/02/2036
चन्द्र 21/11/2020	28:23:40	मिथु	बुध	वृष	10:33:57	राहु 18/10/2020
मंगल 22/06/2021	03:15:34	मिथु	गुरु	मीन	01:10:58	गुरु 13/03/2023
राहु 22/12/2022	27:21:37	कर्क	शुक्र	मेष	11:23:03	शनि 17/01/2026
गुरु 22/04/2024	15:52:49	धनु व	शनि	मेष	05:34:52	बुध 06/08/2028
शनि 21/11/2025	02:25:22	कुंभ व	राहु व	सिंह	11:37:15	केतु 24/08/2029
बुध 22/04/2027	02:25:22	सिंह व	केतु व	कुंभ	11:37:15	शुक्र 24/08/2032
केतु 21/11/2027	08:46:21	धनु व	हर्ष व	मक	18:47:44	सूर्य 19/07/2033
शुक्र 22/07/2029	16:55:17	धनु व	नेप व	मक	08:05:45	चन्द्र 18/01/2035
सूर्य 21/01/2030	18:39:52	तुला व	प्लूटो व	वृश्चि	12:41:30	मंगल 05/02/2036

लग्न-चलित

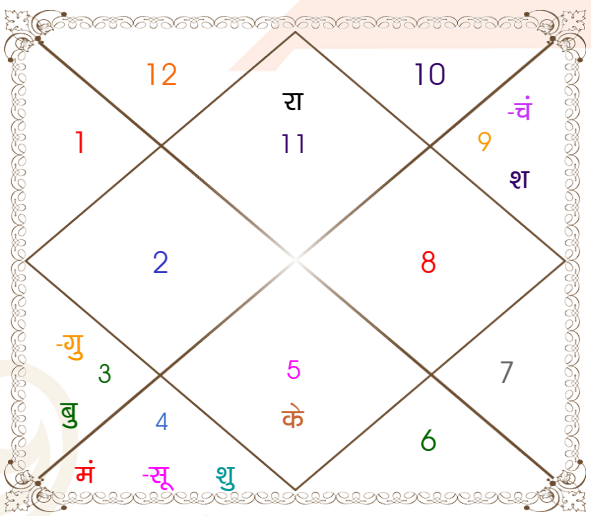

लग्न-चलित

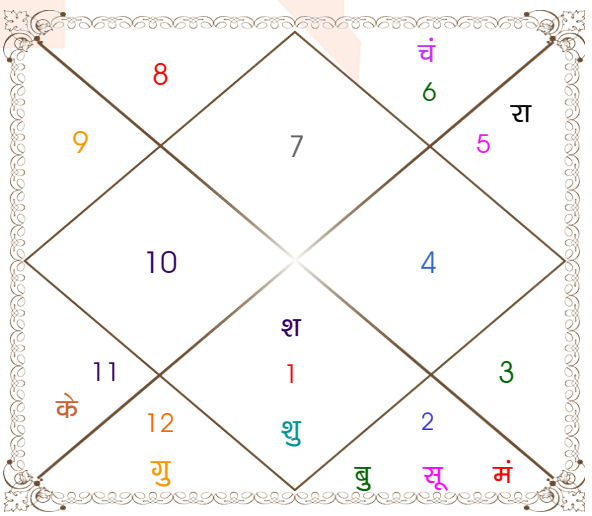

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	श्वान	गौ	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	बुध	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	मनुष्य	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	धनु	कन्या	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	आद्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	14.00		

गणदोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता नहीं है।

Mr.Yogesh का वर्ग मृग है तथा च्तपलंदां का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गो में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr.Yogesh और च्तपलंदां का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr.Yogesh मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

च्तपलंदां मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Mr.Yogesh कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr.Yogesh तथा च्तपलंदां में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।